सुविचार
खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।
-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-253 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, रविवार 18 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

राजस्थान में शिक्षा विभाग का बड़ा एक्शन, 9 निरस्त जिलों में 108 पद किए समाप्त

पाली। राजस्थान में पिछली सरकार ने नए जिले बनाए थे। उनमें से वर्तमान सरकार ने 9 जिले समाप्त कर दिए। उन जिलों में शिक्षा विभाग की ओर से माध्यमिक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में दिए 108 पद भी समाप्त कर दिए है। समाप्त किए जिलों का कार्य अब उन जिला माध्यमिक शिक्षा कार्यालयों में होगा, जिनमें वे शामिल हैं।

RIMS बनने पर RUHS से अलग होंगे मेडिकल और डेंटल कॉलेज, बड़े बदलाव की तैयारियां शुरू

शिक्षक संगठनों के अनुसार जिले भले ही समाप्त किए हैं, लेकिन कुछ जगह पर शिक्षा विभाग के कार्यालय नहीं हटाए जाने चाहिए या उनको पुराने कार्यालयों में समाहित किया जाना चाहिए। विभाग की ओर से बंद किए हर कार्यालय में माध्यमिक शिक्षा के 12-12 पद समाप्त किए हैं। इसी तरह प्राथमिक शिक्षा के जिला कार्यालयों में भी पद समाप्त किए जाने हैं।

बढ़ सकती है पेंडेंसी

राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विपिन प्रकाश शर्मा का कहना है कि 9 जिलों से जिला शिक्षा अधिकारी समेत 108 कर्मचारियों के पद समाप्त किए हैं। जयपुर जिले में दूदू तथा जयपुर ग्रामीण को वापस सम्मिलित करने से कार्य बढ़ जाएगा।

ऐसे में कार्य पेंडेंसी बढ़ेगी। दूदू तथा जयपुर ग्रामीण के पदों को जयपुर जिला मुख्यालय पर दिया जाना चाहिए।

यहां समाप्त किए पद

अनुपगढ़, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, नीम का थाना, सांचौर व शाहपुरा।

जो जिले निरस्त किए थे। उनमें जिला शिक्षा माध्यमिक कार्यालय के पद समाप्त किए हैं। पाली शिक्षा मंडल में सांचौर समाप्त होने पर वहां भी पद खत्म कर दिए हैं।

अशोक गहलोत ने 'सीजफायर' को लेकर किए तीखे सवाल

पुलावामा हमले को याद कर पूछा- RDX कैसे पहुंचा था?

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार से दो बेहद अहम सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि घटना को एक महीना बीत चुका है, लेकिन अब भी हमले के आतंकियों की गिरफ्तारी नहीं हुई और घटना में हुई सुरक्षा चूक के लिए किसी पर कार्रवाई नहीं की गई।

गहलोत ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट लिखते हुए कहा कि पहलगाम हमले को अब लगभग एक महीना होने जा रहा है परन्तु देशवासियों के मन में अब भी दो सवाल हैं-

1. अभी तक हमला करने वाले आतंकवादी क्यों नहीं पकड़े गए? क्या सीजफायर की शर्तों में पाकिस्तान से आतंकियों को भारत को सौंपने की शर्त नहीं रखी गई?

2. जब सरकार ने माना कि पहलगाम में चूक के कारण आतंकी हमला हुआ तो अभी तक चूक के लिए जिम्मेदार किन-किन लोगों पर क्या-क्या कार्रवाई हुई?

पुलवामा हमले को लेकर जताई चिंता

अशोक गहलोत ने 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले को भी याद किया और कहा कि पांच साल बीत जाने के बाद भी देश को यह नहीं पता कि उस चूक के लिए कौन जिम्मेदार था और सैकड़ों किलो ऋष्ठङ्ग वहां तक कैसे पहुंचा? उन्होंने यह भी कहा कि दोनों ही घटनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़ी हुई हैं, और इनकी जांच में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए।

भारत ने चलाया था ऑपरेशन सिंदूर

दरअसल, पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस ऑपरेशन में भारत ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। इस सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश की, जिन्हें भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जैसलमेर, बाड़मरे, बीकानेर और गंगानगर में भी कई ड्रोन हमलों को भारतीय वायु रक्षा प्रणाली (विशेष रूप से स्-400) ने विफल किया।

जयपुर डकैती मामला-कांग्रेस नेता के घर में लूट की साजिश रचने वाला नौकर गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के पॉश इलाके वैशाली नगर में कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर हुई डकैती के मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस सनसनीखेज मामले में घर के नौकर भरत बिष्ट और उसके साथी हरि बहादुर धामी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि डकैती में शामिल भरत की पत्नी काजल और दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। वारदात में लूटे गए नकदी और गहनों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस के मुताबिक, भरत बिष्ट (28) मूल रूप से नेपाल का निवासी है और वह 28 अप्रैल से संदीप चौधरी के घर में बतौर घरेलू सहायक काम कर रहा था। भरत ने ही पूरी लूट की योजना बनाई और अपने साथी हरि बहादुर धामी (29) को नेपाल से बुलाकर वारदात को अंजाम दिलवाया। इस वारदात में भरत की पत्नी काजल समेत कुल पांच लोग शामिल थे।

14 मई की दोपहर जब घर में कांग्रेस नेता की मां कृष्णा चौधरी, पत्नी ममता चौधरी, बेटा राजदीप और बेटी राजश्री मौजूद थे, तब इस गिरोह ने डकैती को अंजाम दिया। भरत और उसकी पत्नी काजल ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर कृष्णा और ममता को बेहोश कर दिया। इसके बाद नकदी और आभूषण समेट कर पांचों बदमाश मौके से फरार हो गए।

डीसीपी वेस्ट अमित कुमार के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल डीसीपी आलोक सिंघल के नेतृत्व में विशेष टीमें बनाई गईं। तकनीकी शाखा की मदद से आरोपियों के हुलिए और मूवमेंट का अध्ययन किया गया। सीसीटीवी फुटेज में हरि बहादुर धामी को सबसे पहले घर में प्रवेश करते हुए देखा गया, जिससे पुलिस को उसके शामिल होने की पुष्टि हुई।

पुलिस ने डकैती के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए टीमें बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और नेपाल बॉर्डर की ओर रवाना कीं। तकनीकी सर्विलांस और मानवीय इंटेलिजेंस के आधार पर 16 मई को उत्तराखंड के रास्ते नेपाल बॉर्डर पार करने से पहले भरत बिष्ट और हरि बहादुर धामी को धर दबोचा गया। दोनों से अब गहन पूछताछ की जा रही है।

इस पूरे मामले में एक और चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि भरत और काजल को एक प्लेसमेंट एजेंसी के ज़रिए नौकरी पर रखा गया था। पुलिस अब इस एजेंसी की भी जांच कर रही है कि क्या उन्हें इनकी पृष्ठभूमि की पूरी जानकारी थी या नहीं।

डकैती ने फिर खड़े किए सुरक्षा और भरोसे के सवाल

इस वारदात ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि किस हद तक घरेलू नौकरों की पृष्ठभूमि जांचना जरूरी है। जयपुर जैसे बड़े शहरों में प्लेसमेंट एजेंसियों की भरमार है, लेकिन उनके सत्यापन और जांच प्रक्रिया अक्सर लापरवाह होती है। संदीप चौधरी का परिवार आज इस लापरवाही की कीमत चुका रहा है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और उन्हें पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या यह गिरोह पहले भी ऐसी वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस की प्राथमिकता अब लूटी गई संपत्ति को बरामद करना और पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करना है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान की सरहद पर पहली बार

22 मई को बीकानेर आयेंगे मोदी

जयपुर ।ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान की सरहद पर पहली बार पीएम मोदी आ रहे है ।22 मई को पीएम नरेन्द्र मोदी का बीकानेर आने का कार्यक्रम है ।वहीं पीएम मोदी की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सीएम भजनलाल शर्मा बीकानेर पहुंचे ।यहां नाल एयरपोर्ट पर सीएम भजनलाल शर्मा का बीजेपी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया ।

यहां पर सीएम भजनलाल शर्मा पलाना सभास्थल पर व्यवस्था देखेंगे और इसके बाददेशनोक में करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे और फिर तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे ।

जयपुर मेट्रो के फेज 1-सी का कार्य जल्द दोबारा शुरू किया जाए- अशोक गहलोत

जयपुर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर जयपुर मेट्रो के फेज 1-सी कार्य को पुन: प्रारम्भ करने की माँग की है। गहलोत ने पत्र में बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बजट वर्ष 2022-23 में जयपुर मेट्रो के विस्तार की घोषणा की गई थी, जिसमें बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर (फेज 1-सी) और मानसरोवर से अजमेर रोड चौराहा (फेज 1-डी) को मेट्रो से जोड़ने का निर्णय लिया गया था। इस योजना पर बजट जारी कर कार्य भी प्रारंभ किया गया।

गहलोत ने बताया कि फेज 1-सी में 2.85 किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक प्रस्तावित था, जिसमें से 2.26 किलोमीटर भूमिगत एवं 0.59 किलोमीटर एलिवेटेड मार्ग है। यह कार्य अप्रैल 2027 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित था, परंतु नवंबर 2024 के बाद से इसका कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है। कार्य रुकने के कारण यात्रियों को सड़क मार्ग पर डायवर्जन की असुविधा झेलनी पड़ रही है, साथ ही परियोजना की लागत भी अनावश्यक रूप से बढ़ रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि यह मेट्रो लाइन समय पर बनती है तो ट्रांसपोर्ट नगर स्थित नए बस स्टैंड से मेट्रो की सीधी कनेक्टिविटी हो सकेगी, जिससे दिल्ली, आगरा, भरतपुर आदि मार्गों पर आने-जाने वाले यात्रियों को बड़ा लाभ होगा।

उन्होंने याद दिलाया कि 2011 में कांग्रेस सरकार द्वारा जयपुर मेट्रो की शुरुआत की गई थी और महज दो वर्षों में 9 किलोमीटर से अधिक मार्ग पर कार्य पूर्ण कर लिया गया था। लेकिन 2013 में भाजपा सरकार द्वारा मेट्रो का काम धीमा किए जाने से परियोजना की लागत कई गुना बढ़ गई और जयपुर के लिए अत्यंत आवश्यक अंबाबाड़ी से सीतापुरा तक की मेट्रो आज तक शुरू नहीं हो पाई। यदि जयपुर में मेट्रो का विकास होता तो आज जयपुर में विकराल रूप ले चुकी ट्रैफिक की समस्या पैदा ही नहीं होती।

गहलोत ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि आम जनता की सुविधा, ट्रैफिक दबाव में कमी, और प्रदूषण नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए जयपुर मेट्रो फेज 1-सी का कार्य अविलंब पुन: प्रारंभ कराया जाए एवं मेट्रो का और विस्तार किया जाए।

सुनियोजित हत्या या हादसा-दौसा में हाईवे ट्रेंच से उठा हत्या का पर्दाफाश

दौसा। 18 फरवरी की सुबह करीब 6 बजे दौसा के सिविल लाइन क्षेत्र में हाईवे के किनारे एक गहरे ट्रेंच में संदिग्ध हालात में एक वाहन के गिरने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम ने जब स्थिति का जायजा लिया तो शुरुआत में मामला सामान्य सड़क दुर्घटना जैसा प्रतीत हुआ। लेकिन गाड़ी की हालत, शव की स्थिति और घटनास्थल की बनावट ने कुछ संदेह उत्पन्न कर दिए। डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सघन जांच के निर्देश दिए। घटनास्थल पर मिले प्रमाणों, शव की अवस्था, और एफएसएल रिपोर्ट ने प्रारंभिक निष्कर्षों को उलट दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मृत्यु की पुष्टि हुई, जबकि दुर्घटना के लक्षण शरीर पर उतने गहरे नहीं थे, जितने एक ट्रेंच में गिरने से होने चाहिए थे।

मामले की गहराई में जाने पर पुलिस की नजर सीधे मृतका के पति महेश उर्फ जीतू सैनी पर गई। जांच में सामने आया कि महेश ने ही अपनी पत्नी पारूल सैनी को ऋप्रयागराज कुंभऋ ले जाने का झांसा देकर घर से निकाला। पारूल मूल रूप से अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) की रहने वाली थी और जयपुर के टोंक फाटक क्षेत्र में महेश के साथ रह रही थी।

महेश ने बड़ी ही चालाकी से बरकत नगर स्थित अपने घर से पत्नी को गाड़ी में बिठाया और उसे दौसा के सिविल लाइन क्षेत्र में एक पूर्व-चिन्हित सुनसान जगह पर ले गया। यह जगह पहले से उसकी रेकी की हुई थी, जिसे उसने घटना को अंजाम देने के लिए चुना था।

महेश ने पत्नी को चिप्स के पैकेट में मिलाकर सेल्फास (एक अत्यंत जहरीला कीटनाशक) खिला दिया, जिससे पारूल अर्धचेतन अवस्था में पहुंच गई। इसके बाद उसने मुंह और नाक दबाकर उसकी सांस रोक दी, जिससे उसकी मौत हो गई। फिर उसने गाड़ी को सुनसान ट्रेंच में

धकेलकर दुर्घटना जैसा दृश्य निर्मित किया और खुद को भी बेहोश दिखाने की कोशिश की।

डिजिटल दुनिया से मिली 'प्रेरणा'-यूट्यूब और इंस्टाग्राम बने अपराध के 'गुरु' पूछताछ में सामने आया कि महेश ने मारने के तरीके यूट्यूब वीडियो और इंस्टा रील्स से सीखे। वह कई दिनों से यह रिसर्च कर रहा था कि कैसे किसी की हत्या को 'दुर्घटना' दिखाया जा सकता है। उसने सेल्फास के असर, दम घोंटने की तकनीक, और दुर्घटना के दृश्य की नक़ल आदि पर ऑनलाइन रिसर्च की थी। हत्या को और अधिक भ्रमित करने के उद्देश्य से महेश ने पहले से मथुरा से प्रयागराज का ट्रेन टिकट भी बुक कर रखा था, ताकि लगे कि वह अपनी पत्नी को प्रयागराज कुंभ ले जाने वाला था और रास्ते में यह दुर्घटना हो गई। मगर पुलिस की तकनीकी जांच ने इस चाल को भी बेनकाब कर दिया।

मृतका के परिजनों द्वारा पहले दहेज उत्पीड़न को लेकर दर्ज कराई गई शिकायत को भी पुलिस ने दोबारा खंगाला। यह महेश की मानसिकता को समझने में मददगार सिद्ध हुआ। इसमें साफ था कि पति-पत्नी के संबंध पहले से तनावपूर्ण थे और पारुल अक्सर प्रताड़ित की जाती थी।

जांच अधिकारी डीएसपी रवि शर्मा ने एफएसएल टीम द्वारा संकलित सबूत, कॉल रिकॉर्ड, वाहन की स्थिति, डिजिटल ट्रेसिंग, सोशल मीडिया अकाउंट्स, और अभियुक्त की गतिविधियों का विश्लेषण कर पूरे घटनाक्रम को क्रमबद्ध किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, ट्रेंच की गहराई, वाहन की क्षति और शरीर की चोटों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया।

इन सभी तथ्यों और गहन पूछताछ के आधार पर यह सिद्ध हुआ कि यह एक पूर्वनियोजित हत्या थी। फलस्वरूप महेश सैनी निवासी आदर्श बस्ती टोंक फाटक थाना बजाज नगर, जयपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में एएसआई बाबूलाल, हेड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह, सुमीन कुमार, और महेन्द्र ने अहम भूमिका निभाई।

दौसा: महुवा सीओ का दलाल विष्णु कुमार मीणा 50,000 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी चौकी दौसा को एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि परिवादी से उनके बेटे के खिलाफ दर्ज मामले में मदद करने और गिरफ्तारी में समय देने के नाम पर महुवा स्थित वृत्त कार्यालय के सीओ रमेश तिवाड़ी, विष्णु कुमार मीणा के माध्यम से 2,50,000 रुपए की रिश्वत मांग रहे थे।

दौसा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) चौकी ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए महुवा के सीओ (सर्कल ऑफिसर) के एक दलाल को 50,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दलाल की पहचान विष्णु कुमार मीणा के रूप में हुई है, जो एक प्राइवेट व्यक्ति है।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस, डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी दौसा को एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि परिवादी से उनके बेटे के खिलाफ दर्ज मामले में मदद करने और गिरफ्तारी में समय देने के नाम पर महुवा स्थित वृत्त कार्यालय के सीओ रमेश तिवाड़ी, विष्णु कुमार मीणा के माध्यम से 2,50,000 रुपए की रिश्वत मांग रहे थे।

शिकायत के सत्यापन से पहले ही, विष्णु कुमार ने परिवादी से 1,50,000 रुपए प्राप्त कर लिए

थे और 1,00,000 रुपए की अतिरिक्त रिश्वत की मांग कर रहे थे। एसीबी टीम ने जाल बिछाकर विष्णु कुमार मीणा को रिश्वत की शेष राशि में से 50,000 रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जांच में यह भी पाया गया कि विष्णु कुमार, सीओ महुवा रमेश तिवाड़ी और उनके रीडर रामदेव से परिवादी के बेटे के खिलाफ दर्ज मामले में मदद के लिए लगातार बातचीत कर रहा था। पुलिस इन अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

एसीबी चौकी दौसा के उप महानिरीक्षक पुलिस चतुर्थ, अनिल कयाल के पर्यवेक्षण में, एसीबी चौकी दौसा के प्रभारी नवल किशोर, उप अधीक्षक पुलिस टीएलओ ने ट्रेप कार्रवाई को अंजाम दिया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, स्मिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में, गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ और आगे की कार्रवाई जारी है। एसीबी ने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

राज्य में पर्यटन एवं फिल्म नीति जल्द होगी जारी-डिप्टी सीएम दिया कुमारी

जयपुर । प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय, जयपुर में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यटन सचिव रवि जैन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य की पर्यटन नीति एवं फिल्म नीति को अंतिम रूप देकर शीघ्रता से जारी किया जाए, जिससे प्रदेश में पर्यटन और फिल्म निर्माण को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने एडवेंचर टूरिज्म योजना पर तीव्रता से कार्य करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

पर्यटन स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उपमुख्यमंत्री ने पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने जयपुर सहित समस्त प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल और शौचालयों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने

के निर्देश भी दिए।

प्रमुख निर्देश एवं कार्य योजना

01. पुष्कर सरोवर की DPR में घाटों के सौंदर्यकरण एवं अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

02. श्री खाटूश्यामजी क्षेत्र के समग्र एवं सुव्यवस्थित विकास और दर्शनार्थियों की सुविधा बढ़ाने हेतु कार्य

03. मालासेरी डूंगरी, जयपुर चारदीवारी क्षेत्र, आमेर में विकास कार्यों को गति देने के निर्देश

04. आमेर में कॉनसर्ट वेन्यू विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य

05. चौड़ा रास्ता स्थित टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (ञस्न्रष्ट) के बेहतर उपयोग हेतु योजना तैयार करने के निर्देश

उपमुख्यमंत्री ने NHAI द्वारा प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं- आमेर, रणथंभौर, चित्तौड़गढ़ व बांसवाड़ा की प्रगति की समीक्षा की और अजमेर स्थित चामुंडा माता मंदिर के लिए भी रोपवे कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, उपमुख्यमंत्री ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण, अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार, लाइट एंड साउंड शो, बावड़ियों के संरक्षण, डेजर्ट टूरिज्म, वार म्यूजियम (झुंझुनू व जैसलमेर), टैगोर योजना और महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट सहित ऋङ्खष्ट के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। राज्य सरकार द्वारा लिए गए ये निर्णय राजस्थान को एक प्रमुख पर्यटन राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फौज के साथ यह धर्मनिरपेक्ष भारत की भी जीत है

(लेखक- एल.एस. हरदेनिया)

जब से भारत आजाद हुआ है तब से पाकिस्तान ने चार बार हमारे ऊपर युद्ध थोपा है। सबसे पहले 1947 में पाकिस्तान ने कश्मीर को हथियाने की कोशिश की। पाकिस्तान ने यह कोशिश सीधे फौजियों को भेजकर नहीं की थी बल्कि तथाकथित आदिवासियों के माध्यम से यह काम किया था। अंग्रेजों ने जब भारत से अपना कब्जा हटाया तो तय किया था कि जहाँ अंग्रेजों का सीधा राज्य था वहाँ पर सत्ता कांग्रेस को सौंपी जाएगी। इसी तरह से जो मुस्लिम-बहुल क्षेत्र थे उनका शासन जिन्ना के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग को सौंपा गया था। लगभग सभी राजा-रजवाड़ों ने भारत में या पाकिस्तान में शामिल होने का फैसला कर लिया। परन्तु कश्मीर के महाराज हरि सिंह ने स्वतंत्र रहने का फैसला किया। उन्होंने फैसला किया कि ना तो वह भारत में शामिल होंगे और ना ही पाकिस्तान में। परन्तु उनके इस फैसले का कश्मीर की जनता ने विरोध किया और मुस्लिम बहुसंख्यक राज्य होने के बावजूद सर्वमान्य नेता शेख अब्दुल्ला और वहां की जनता ने भारत में शामिल होने का फैसला किया। इस फैसले के बावजूद पाकिस्तान ने आक्रमण कर जम्मू और कश्मीर को पाकिस्तान में शामिल करने का प्रयास किया परंतु उन्हें सफलता नहीं मिली और अंततः कश्मीर का विलय भारत में हुआ।इसके बाद पाकिस्तान ने 1965 में पुनः भारत पर युद्ध थोपा, परंतु उसे सफलता नहीं मिली और लालबहादुर शास्त्री के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान पर विजय हासिल की। युद्ध खत्म होने के बाद सोवियत संघ के नेताओं की पहल पर रूस के शहर ताशकंद में समझौता वार्ताएँ हुईं, परंतु दुर्भाग्यवश वार्ताओं के दौरान ताशकंद में लालबहादुर शास्त्री की आकस्मिक मृत्यु हो गई। इसके बाद 1971 में फिर पाकिस्तान ने हम पर युद्ध लाद दिया। पाकिस्तान के दो हिस्से थे। एक कहलाता था पश्चिमी पाकिस्तान और दूसरा कहलाता था पूर्वी पाकिस्तान। पूर्वी पाकिस्तान में बंगाल का आधा हिस्सा शामिल किया गया। परंतु आज़ाद होने के बाद पाकिस्तान ने बांग्लादेश के नागरिकों पर उर्दू लादने की कोशिश की। इसका वहाँ की जनता ने जबरदस्त विरोध किया। मुस्लिम होने के बावजूद बंगाल की जनता बंगला भाषा को अपनी भाषा मानते थे। बंगला भाषा ना सिर्फ वहां की बोलचाल की भाषा थी वरन वहां के प्रशासन और व्यापार में भी बंगला भाषा का उपयोग होता था। इस दरम्यान पाकिस्तान में चुनाव हुआ और चुनाव में बहुमत बंगाल की अवामी लीग को मिला। परंतु पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं ने अवामी लीग को सत्ता नहीं सौंपी। इस फैसले के विरोध में बांग्लादेश में विद्रोह हो गया। लगभग सभी निवासियों ने पाकिस्तान के नेताओं के फैसले को अमान्य किया। पाकिस्तान ने अपना फैसला मनवाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए। सेना के माध्यम से जबरदस्त जुल्म किया गया। शेख मुजिबुर रहमान समेत हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया। बांग्लादेश के निवासियों ने पाकिस्तान की सत्ता को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने पाकिस्तान के किसी भी आदेश को मानने से इंकार कर दिया। बांग्लादेश के लोगों ने मुक्ति वाहिनी नाम से विद्रोही सेना का गठन किया।

बड़ी संख्या में बांग्लादेश के लोगों ने पाकिस्तान की ज्यादतियों से बचने के लिए भारत में शरण ली। इतनी बड़ी संख्या में बांग्लादेश के लोग आए कि भारत को उनके लालन-पोषण में जबरदस्त दिक्कत होने लगी। इस तरह लगभग युद्ध भारत पर लाद दिया गया था।

भारत ने मुक्ति वाहिनी को सहायता दी और एक अत्यधिक गंभीर स्थिति पैदा हो गई। उस समय हमारे देश की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी थीं। उन्होंने बड़े साहस से इस स्थिति का मुकाबला किया। उस समय पूरी दुनिया दो भागों में बंटी हुई थी। एक भाग का नेतृत्व अमरीका कर रहा था और दूसरे भाग का नेतृत्व समाजवादी राष्ट्र सोवियत संघ कर रहा था। प्रारंभ से ही अमरीका के नेतृत्व वाले राष्ट्र जिन्हें पश्चिमी राष्ट्र कहा जाता था पाकिस्तान के मददगार रहे। उन्हें पाकिस्तान की सहायता की आवश्यकता थी क्योंकि पाकिस्तान की सीमा सोवियत संघ से मिलती थी। इसलिए ये पश्चिमी राष्ट्र पाकिस्तान की हर प्रकार की सहायता करते थे। इसके विपरीत सोवियत संघ जहां समाजवादी प्रगतिशील व्यवस्था थी भारत का साथ देता था। 1971 के युद्ध के पूर्व भारत ने सोवियत संघ से एक बीस वर्षीय संधि की। इस संधि के अनुसार यदि सोवियत संघ पर हमला होता है तो भारत उसकी मदद करेगा और भारत पर यदि हमला होता है तो सोवियत संघ उसकी मदद करेगा। इस स्थिति के होते हुए भी बांग्लादेश और भारत में इस स्थिति का क्या प्रभाव पड़ रहा है यह बताने के लिए श्रीमती गांधी दुनिया के अनेक देशों में गईं। जिन देशों में वे गईं उनमें अमरीका भी शामिल था। अमरीका में उस समय रिचर्ड निक्सन राष्ट्रपति थे। श्रीमती गांधी उनसे मिलीं। निक्सन से उनकी मुलाकात वाईट हाउस के लॉन में हो रही थी। उस समय जो मौसम था वह अत्यधिक सुहावना था। निक्सन ने इस बात का उल्लेख वार्ता के दौरान किया। इस पर श्रीमती गांधी ने कहा कि मैं हज़ारों मील से मौसम की तारीफ सुनने नहीं आई हूँ। खैर वार्ता से कुछ खास उपलब्धि नहीं हुई। अंततः हमें युद्ध लड़ना पड़ा। युद्ध में हमारी जीत निश्चित हुई। अमरीका ने हर संभव सहायता पाकिस्तान को दी। अमरीका ने अपना सातवां बेड़ा (Seventh Fleet) भेजा। इसके जवाब में सोवियत संघ ने भी धमकी दी की हम इस संबंध में भारत की सहायता करेंगे इसलिए अमरीका को मजबूर होकर सातवें बेड़े का मुंह मोड़ना पड़ा। युद्ध लगभग समाप्त हो गया। श्रीमती गांधी ने यह युद्ध फौजों के सहारे ही नहीं बल्कि देश की जनता से प्राप्त अद्भुत समर्थन से भी लड़ा और यहां तक कि उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें दुर्गा माता कहा। भारी संख्या में पाकिस्तानी फौजों ने आत्मसमर्पण किया। युद्ध की समाप्ति के बाद शिमला में भारत और पाकिस्तान के बीच समझौता वार्ताएं हुईं। पाकिस्तान की तरफ से जुल्फिक़ार अली भुट्टो जो वहां के प्रधानमंत्री थे इन वार्ताओं में शामिल हुए। वार्ताएं लगभग असफल रहीं। वार्ताओं के अंत में शिष्टाचार के चलते श्रीमती गांधी श्री भुट्टो से मिलने गईं। उस समय श्री भुट्टो के साथ उनकी बेटी बेनज़ीर भुट्टो भी थीं।

बेनज़ीर की आयु उस समय 16 साल थी। जुल्फिक़ार अली भुट्टो के जीवन में बेनज़ीर की वही भूमिका थी जो पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन में इंदिरा गांधी की थी। भुट्टो का इंतजार किया जा रहा था तो बेनज़ीर ने अपने पापा से कहा कि भारत में अभी प्रजातंत्र है, पाकिस्तान में भी प्रजातंत्र है। यदि हम दोनों राष्ट्रों के प्रतिनिधि कुछ हासिल नहीं कर पाए तो यह इतिहास पर काला धब्बा होगा। भुट्टो को यह बात अखरी और उन्होंने बेनज़ीर को आश्वासन दिया कि वो कुछ न कुछ हासिल करने का प्रयास करेंगे। भुट्टो ने यह बात इंदिरा जी को बताई थी। इस तरह 1971 के युद्ध में भारत का झंडा ऊँचा रहा। युद्ध की सफलता की घोषणा करते हुए इंदिरा जी ने संसद में कहा कि बहुत शीघ्र ही ढाका एक नए देश की राजधानी होने वाला है। तालियों के बीच इस घोषणा का स्वागत हुआ।

अब फिर 2025 में पाकिस्तान ने आतंकवादियों के माध्यम से बहुत ही दिल दहलाने वाली क्रूर घटना की, जिसमें माँ के सामने बेटे को मारा गया, नवविवाहित वधु के सामने उसके पति को मारा गया। इस तरह लगभग 26 लोग मारे गए। मजबूर होकर हमको बदला लेने के लिए आक्रामक रूख अपनाना पड़ा। आक्रमण की सफलता पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने देश की डिफेन्स फोर्स को सेल्यूट किया। मोदी ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान ऐसी घटना दोबारा करता है तो हम चुप नहीं बैठेंगे। दुख की बात है कि हम पड़ोसी देश शांति से नहीं रह पा रहे हैं। अटूट पैसा युद्ध पर खर्च हो रहा है। यदि यही पैसा बचता तो दोनों देशो की मूलभूत समस्याओं को हल करने में काम आता। ये समस्याएँ हैं शिक्षा, स्वास्थ्य आदि। भारत से ज्यादा पाकिस्तान में यह समस्याएँ हैं। पाकिस्तान के मंत्री ने भी यह स्वीकार किया कि अमरीका और ब्रिटेन के बहकावे पर हम गलत काम करते रहे, जिसका हमें अफसोस है। आशा है कि अब अप्रैल और मई में घटित इन घटनाओं से पाकिस्तान सबक लेगा और हमें उसके विरूद्ध हथियार उठाने के लिए मजबूर नहीं करेगा।

इस संबंध में सबसे बड़ी दुखद बात है संयुक्त राष्ट्र संघ की असफलता। 1945 में विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद संयुक्त राष्ट्र का गठन किया गया था और यह आशा प्रकट की गई थी कि अब युद्ध नहीं होगा। अभी हाल में विश्व युद्ध में हिटलर और मुसोलिनी की हार का जश्न मनाया गया। परंतु जब हम जश्न मना रहे थे तो रूस और यूक्रेन के बीच, इज़राईल और फिलिस्तीन के बीच और हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी घटनाएँ हो रही हैं।

इन घटनाओं के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ मौन होकर देखता रहा। यह विश्व इतिहास का अत्यधिक त्रासदीपूर्ण सबक है।

यहां यह उल्लेख प्रासंगिक होगा कि जहां हमारी जीत का श्रेय फौजों को जाता है वहीं यह धर्मनिरपेक्ष भारत की भी सफलता है। सेक्युलर राष्ट्र होने के नाते हमारे देश में जबरदस्त एकता रही। हमने इस समय भी उस एकता का प्रदर्शन किया और हम जीते भी।

संपादकीय

सीवर में दर्दनाक मौतें

यह बेहद कष्टकारी व अमानवीय है कि 21वीं सदी में भी कुछ लोग हाथ से मैला साफ करने के व्यवसाय में लगे हैं। जहां सीवर में उतरते ही मौत उनका इंतजार कर रही होती है। लेकिन कोर्ट और सरकारों की सख्ती जमीन पर नजर नहीं आती। सरकार व स्थानीय निकाय यूं तो सीवर साफ करने के लिये कर्मचारी नहीं रखते, लेकिन ठेकेदारों के जरिये ये काम बदस्तूर जारी है। फलत- सीवर में उतरने से मरने वालों को न तो मुआवजा मिल पाता है और न ही किसी की जवाबदेही तय हो पाती है। यह दुखद ही कि छह मई को बठिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग फिर जिंदा नहीं लौट पाए। एक सप्ताह बाद, रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक -दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए। पंद्रह मई को फरीदाबाद में एक मकान मालिक ने नियुक्त सफाईकर्मी को बचाने के लिए सैप्टिक टैंक में छलांग लगा दी। दोनों की ही जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। निश्चित रूप से ये अलग-अलग दुर्घटनाएं नहीं हैं बल्कि ये व्यवस्था की विद्रूपता के चलते हुई हत्याएं हैं। जिसके कारक तंत्र की उदासीनता, अवैधता और जातीय विवशता में निहित हैं। विडंबना ही है कि रोजगार के रूप में हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध, सफाईकर्मियों के पुनर्वास अधिनियम 2013 तथा खतरनाक सफाई पर प्रतिबंध लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। ऐसे मामलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की जाती है। सुरक्षा उपकरण नदारद रहते हैं। अकसर इसकी जवाबदेही से बचा जाता है। बठिंडा में लोगों के विरोध के बाद एक निजी ठेकेदार के खिलाफ देर से प्राथमिकी दर्ज जरूर की गई, लेकिन फरीदाबाद और रोहतक में मामला दर्ज होने की कोई खबर नहीं है। दरअसल, अक्सर सरकारी तंत्र ठेकेदारों को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। आखिर इन ठेकेदारों को काम पर कौन रखता है। निस्संदेह, सरकारी तंत्र भी इस आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार है। आखिर सफाईकर्मियों से जुड़े सुरक्षा मानकों की निगरानी की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? नगर पालिकाएं और राज्य एजेंसियां आउटसोर्सिंग की दुहाई देकर अपने कानूनी और नैतिक कर्तव्यों से बच नहीं सकती। दुर्भाग्य से इन हादसों का स्याह पक्ष जातीय विद्रूपता भी है। अधिकांश सफाई कर्मचारी समाज में हाशिये पर पड़े समुदायों से आते हैं। सफाई जैसा महत्वपूर्ण काम करने के बावजूद उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। सीवर सफाई के लिये मशीनें खरीदने के दावों के बावजूद हाथ से सफाई का क्रम नहीं टूटता। कई जगह मशीनों के खरीदने पर करोड़ों का परिव्यय दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदली। मशीनें तो धूल फांक रही हैं और इंसानों को नरक में धकेला जा रहा है। निर्विवाद रूप से हमारे समाज पर मैनुअल स्कैवेंजिंग एक काला धब्बा है। न्यायपालिका सख्ती से इसे रोकने को कहती है, सत्ताधीश आदेश की औपचारिकता पूरी करते हैं, लेकिन फिर भी सीवर की जहरीली गैस में लोगों के मरने का सिलसिला थमा नहीं है। किसी सफाईकर्मी के मरने पर कुछ समय तो हो-हल्ला होता है, मगर फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। वक्त की दरकार है कि नगर निकायों को इन हादसों के लिये सीधे जवाबदेह बनाया जाए।

नारी शक्तिः प्रेरणा से लेकर परिवर्तन की अगुआ तक!

(लेखिका -सोनम लववंशी)

भारतीय समाज में जब भी नारी सशक्तिकरण की बात होती है, तो उसे अक्सर सामाजिक अधिकारों, शिक्षा या स्वास्थ्य से जोड़ा जाता है। लेकिन असल शक्ति तब दिखाई देती है जब महिलाएं उन क्षेत्रों में आगे बढ़ती हैं, जिन्हें अब तक पुरुष-प्रधान समझा जाता रहा है। भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना ये तीनों सेनाएँ अब उस बदलाव का गवाह बन चुकी हैं जहाँ महिला अधिकारी न केवल वर्दी पहनती हैं, बल्कि उसका गौरव भी बढ़ा रही हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह आज भारतीय नारी शक्ति के ऐसे ही दो उज्ज्वल प्रतीक हैं, जिन्होंने देश, समाज और आने वाली पीढ़ियों को यह विश्वास दिलाया है कि महिलाएं नेतृत्व करने में भी किसी से कम नहीं। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी ने वर्ष 2016 में इतिहास रचा, जब उन्होंने बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास फोर्स 18 में भारतीय दल की अगुवाई की। 18 देशों की सेनाओं के बीच भारतीय टुकड़ी की कमान किसी महिला अधिकारी को सौंपना अपने आप में इस बात का संकेत था कि सेना अब योग्यता को लिंग से ऊपर मान रही है। सिग्नल कोर की अधिकारी होने के नाते, उनका कार्य रणनीतिक संचार व्यवस्था को संभालना था। ये एक ऐसा क्षेत्र है, जो सेना के लिए रीढ़ की हड्डी जैसा होता है। इससे पहले भी वे संयुक्त राष्ट्र के कांगो मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में सेवा दे चुकी हैं, जहाँ उन्होंने युद्ध प्रभावित इलाकों में मानवीय प्रयासों के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका कद सिर्फ एक सैन्य अधिकारी के तौर पर नहीं, बल्कि एक आदर्श के रूप में स्थापित हुआ है।

दूसरी ओर, हाल के घटनाक्रम में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने देश के समक्ष नारी नेतृत्व की एक नई मिसाल पेश की। 7 मई 2025 को उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में आधिकारिक मीडिया ब्रीफिंग की, जो 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में अंजाम दिया गया था। उन्होंने पूरी सटीकता और संयम के साथ बताया कि किस प्रकार भारतीय वायुसेना ने निशाना साधते हुए सीमापार स्थित नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया, वह भी बिना किसी नागरिक क्षति के। यह नेतृत्व का वही रूप है जो शक्ति के साथ संवेदनशीलता को भी साथ लेकर चलता है। पारंपरिक सोच को चुनौती देता है और एक नई सोच को जन्म देता है। ये घटनाएँ सिर्फ दो महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियाँ नहीं हैं। यह एक बड़ा सामाजिक परिवर्तन है जो धीरे-धीरे हमारे संस्थानों की सोच में उतर रहा है। सेना जैसे अनुशासित और कठोर ढांचे में महिलाओं की स्वीकार्यता और नेतृत्व की भूमिका उस बुनियादी मानसिकता को चुनौती देती है, जहाँ शक्ति का मतलब सिर्फ बाहुबल समझा जाता था। सोफिया और व्योमिका जैसी महिलाएं दिखाती हैं कि अब शक्ति का अर्थ संवेदना, रणनीति और साहस का संतुलन है। महिला सशक्तिकरण सिर्फ आरक्षण या अवसर का सवाल नहीं है। असली सशक्तिकरण तब होता है जब एक महिला को देश की सीमाओं की रक्षा, रणनीतिक निर्णय और राष्ट्रीय गर्व के प्रतीक मिशनों की कमान दी जाती है—बिना संकोच, बिना शंका। जब कोई युवती इन नामों को पढ़ती है, तो उसे यह महसूस होता है कि सेना अब सिर्फ पुरुषों की बपौती नहीं रही। यह वही क्षण होता है जब सपनों को पंख मिलते हैं। ऐसे में आज जरूरत है कि इस सोच को और व्यापक बनाया जाए। महिलाओं की भागीदारी केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित न रहे, बल्कि हर उस मंच पर हो जहाँ निर्णय लिए जाते हैं, जहाँ नीति बनती है, जहाँ भविष्य की दिशा तय होती है और जब यह बदलाव सशस्त्र बल जैसे संस्थानों में संभव है, तो बाकी क्षेत्रों में भी इसे संभव बनाना कोई सपना नहीं, बल्कि संकल्प होना चाहिए।

लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की कहानियाँ यही कहती हैं कि अब नारी शक्ति केवल घर की चौखट तक सीमित नहीं, वह रणभूमि से लेकर रणनीति तक हर मोर्चे पर सक्षम है। उनकी उड़ान हमें याद दिलाती है कि सशक्त नारी सिर्फ प्रेरणा नहीं, परिवर्तन की अगुआ होती है। इतना ही नहीं अब नारी शक्ति किसी विशेष अवसर की मोहताज नहीं, वह हर समय, हर स्थान पर अपनी ऊर्जा और संवेदना से राष्ट्र को मजबूती देती है। जब एक महिला बंदूक उठाती है, तो उसमें सिर्फ सुरक्षा नहीं, संवेदनशीलता भी होती है। जब वह हेलमेट पहनती है, तो उसमें सिर्फ हिम्मत नहीं, जिम्मेदारी की गंभीरता भी होती है। यह दौर अब सिर्फ पुरुषों का नहीं, बल्कि पुरुषों और महिलाओं के साझे कंधों पर टिके भारत का है। वह भारत जो युद्धभूमि से लेकर अंतरिक्ष तक, गांव की पंचायत से लेकर ग्लोबल मंच तक, नारी की उपस्थिति को स्वीकार नहीं, आत्मसात कर रहा है।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह ले खिका के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

विचार मंथन

पाक को बेनकाब करेंगे सभी दलों के सांसद

(लेखक - सनत जैन)

भारत सरकार ने सात सांसदों के एक दल का गठन किया है। इसमें सभी महत्वपूर्ण दलों के सांसदों को जगह दी गई है। 7 सांसद सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल के रूप में अमेरिका, यूके, यूएई, दक्षिण अफ्रीका, जापान और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दौरा करेंगे। विदेश यात्रा के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद से किस तरह का मुकाबला भारत कर रहा है इसकी जानकारी दुनिया के देशों को देंगे। पाकिस्तान किस तरह से आतंकवादियों का पोषण कर रहा है। पाकिस्तान खुद आतंकी देश के रूप में कार्य कर रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल विदेश में जाकर पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करेगा। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर क्यों किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत केवल आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया है। इसकी जानकारी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल एकजुटता के साथ देगा। मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों में पहली बार सांसदों को विदेश दौरे पर भेजा जा रहा है। भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू इस प्रतिनिधि मंडल को ऑर्गनाइज कर रहे हैं। जल्द ही यह प्रतिनिधिमंडल विदेश का दौरा करके भारत का पक्ष रखने का काम करेगा।

मोदी सरकार का कोई भी निर्णय बिना विवाद के पूरा नहीं होता है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों के नाम मांगे थे। उनमें से एक नाम केंद्र सरकार को चुनना था। कांग्रेस ने जो चार नाम भेजे उसमें कांग्रेस के सांसद शशि थरूर का नाम नहीं था। कांग्रेस की ओर से आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार का नाम भेजा था। केंद्र सरकार ने उनमें से किसी सांसद को ना भेज कर अपनी ओर से शशि थरूर को प्रतिनिधि मंडल में शामिल कर दिया। शशि थरूर को लेकर यह माना जा रहा है कि वह जल्द ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। हाल ही में उन्होंने केरल के एक प्रोग्राम में प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था। वह कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ लगातार बोल बचन कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने सांसदों के इस प्रतिनिधि मंडल में थरूर को शामिल कर कांग्रेस के साथ एक बार फिर नया विवाद पैदा कर लिया है। केंद्र सरकार द्वारा अपने 11 साल के कार्यकाल में पहली बार विपक्ष को विश्वास में लेकर इस प्रतिनिधि मंडल को दुनिया के कई देशों में भेजा जा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को विवाद से बचना चाहिए था। शायद सरकार जानती थी और चाहती भी यही थी कि शशि थरूर को शामिल करने से कांग्रेस और शशि थरूर के बीच की दूरियां और बढ़ेंगी, जिसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। अगले साल केरल में विधानसभा के चुनाव होना हैं। भारतीय जनता पार्टी पिछले कुछ समय से शशि थरूर के कंधे पर हाथ रखकर केरल में कांग्रेस को कमजोर करना चाहती है। सुनियोजित रूप से केंद्र सरकार ने कांग्रेस को आईना दिखाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी इसको किस तरह से लेती है, इसका पता जल्द ही चलेगा। वर्तमान परिस्थितियों में जब सरकार विपक्षी दलों के साथ सहयोग कर रही है। विपक्षी दल भी सरकार के साथ सहयोग में खड़े हुए हैं। ऐसे समय में सरकार को प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के साथ टकराव मोल नहीं लेना था। इस समय सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता एकजुटता की होनी चाहिए। सारी दुनिया को एक ऐसा संदेश जाए, जिससे स्पष्ट हो भारत का सत्ता पक्ष और विपक्ष एकजुट है। सारी दुनिया के देश भारत की वर्तमान स्थिति को समझते। भारत एकजुटता का संदेश दुनिया भर में फैलाना चाहता है, वह ज्यादा असरकारी साबित होता। निश्चित रूप से सरकार ने सोच-समझकर कांग्रेस को नीचा दिखाने के लिए पहले कांग्रेस से चार सांसदों के नाम का पैनल मांगा। जब कांग्रेस पार्टी ने उन्हें पैनल भेज दिया, तब सरकार ने पैनल में भेजे गए कांग्रेस के किसी भी सांसद को स्वीकार न करते हुए, शशि थरूर को विदेश दौरे में शामिल होने के लिए आमंत्रण दे दिया। सरकार के इस निर्णय से शशि थरूर गदगद हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी में नाराजगी देखने को मिल रही है। फिर भी यही कह सकते हैं कि सरकार जो करती है, वह सोच समझ कर करती है। यदि सरकार ने शशि थरूर को विदेश दौरे में भेजने का निर्णय लिया है, तो यह सरकार का निर्णय है। सरकार के निर्णय को सभी को मानना पड़ता है। अब कांग्रेस भविष्य में कौन सा रुख अपनाती है। इसका असर आने वाले मानसून सत्र में देखने को मिलेगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकार को इस संकट के समय में बहुत सोच समझ कर निर्णय लेने चाहिए। यह समय टकराव का नहीं है। खरबूजा छुरी पर गिरे या छुरी खरबूजा पर गिरे, कटता खरबूजा ही है। विपक्ष के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। सरकार के पास खोने के लिए बहुत कुछ होता है।

सेना के लिए 15 सौ करोड़ के फंड का प्रस्ताव मंजूर, होंगे कई नए काम

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से लगते बॉर्डर की सुरक्षा को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है भारत बॉर्डर इलाकों में ऐसी व्यवस्था करने जा रहा है, जिससे पाकिस्तानी फौज और आतंकवादियों के लिए घुसपैठ करना मुश्किल हो जाएगा इसके साथ ही बॉर्डर पर चौबीसों घंटे तैनात रहने वाले बीएसएफ जवानों के लिए अपग्रेडेड पोस्ट की व्यवस्था भी की जाएगी सरकार ने इसके लिए 1500 करोड़ रुपये का फंड जारी करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार ने सीमा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना और घुसपैठ की घटनाओं को रोकना है हाल ही में हुई उच्च स्तरीय बैठकों के बाद इस दिशा में गंभीरता से कदम उठाए गए हैं फाइनेंस और होम मिनिस्ट्री संयुक्त रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, बाड़बंदी और निगरानी प्रणाली जैसी परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए एकजुट होकर प्रयास कर रहे हैं लगभग 1,500 करोड़ रुपये की लागत से ये परियोजनाएं लागू की जा रही हैं इसमें 500 किलोमीटर से अधिक की मौजूदा सीमा बाड़ को हाई क्वालिटी, मल्टीलेयर और मॉड्यूलर सामग्री से बदला जाएगा यह कदम राजौरी और पुंछ में हाल ही में हुए आतंकी हमलों के मद्देनजर उठाया गया है।

बुलेटप्रूफ सेंट्री पोस्ट भी बनाए जा रहे

हाई-लेवल एंपावर्ड कमेटी ने जम्मू-कश्मीर के सांबा, इंद्रेश्वर नगर और कठुआ, पंजाब के फिरोजपुर और अबोहर क्षेत्रों में बॉर्डर प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है इनमें बॉर्डर आउट पोस्ट को मुख्य सीमा से जोड़ने वाली सड़कों का निर्माण भी शामिल है,

जिससे सुरक्षाबलों की आवाजाही तेज हो सकेगी इसके अलावा सीमा सुरक्षा बल के जवानों की सुरक्षा के लिए बुलेटप्रूफ सेंट्री पोस्ट भी बनाए जा रहे हैं पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा की गई अकारण गोलीबारी की घटनाओं के बाद यह फैसला लिया गया है राजस्थान में विशेष रेतीले इलाकों के लिए लेयर्ड फेंसिंग, वॉल फेंसिंग, हाई-पावर एलईडी लाइट्स

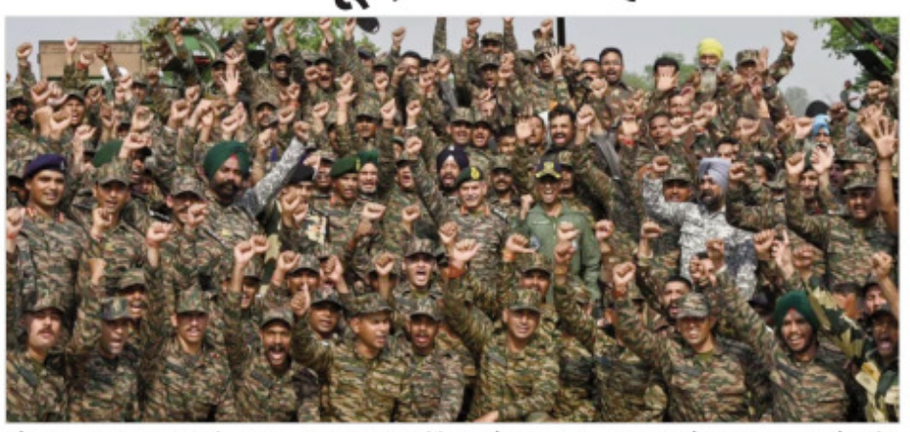

और बख्तरबंद भूमिगत केबलिंग पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

जवानों के लिए पेयजल की व्यवस्था

बॉर्डर पर तैनात जवानों को पीने के पानी की आपूर्ति में हो रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए 160 करोड़ रुपये की लागत से नई वॉटर स्टोरेज और सप्लाई सिस्टम भी तैयार की जा रही है अभी तक इन इलाकों में अस्थायी टैंकरों से पानी पहुंचाया जाता था, जो महंगा और अस्थिर समाधान था सरकार के इन प्रयासों को भारत की सीमा सुरक्षा नीति में एक रणनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है पारंपरिक घुसपैठ के साथ-साथ नई चुनौतियों से निपटने के लिए यह पहल सुरक्षा के प्रति सरकार की प्राथमिकता को दर्शाती है इन परियोजनाओं के तेज़ी से क्रियान्वयन से सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षात्मक तैयारियों को एक नई मजबूती मिलेगी

वॉट्सऐप यूज़र अब अपने चैट वॉलपेपर को पर्सनलाइज कर सकेंगे

नई दिल्ली।

वॉट्सऐप एक ऐसा फीचर लेकर आया है जिसकी मदद से यूजर अपने चैट वॉलपेपर को पूरी तरह से पर्सनलाइज कर सकेंगे और वो भी सिर्फ एक टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के जरिए। यह नया फीचर एआई तकनीक पर आधारित है, जिसमें मेटा एआई यूजर्स की मदद करेगा मनचाहा वॉलपेपर बनाने में। हाल ही में इस फीचर को वॉट्सऐप बीटा फॉर एंड्रॉयड 2.25.15.7 में देखा गया था और अब यह आईओएस के बीटा वर्जन 25.15.10.70 में भी टेस्टिंग के लिए उपलब्ध है। इसके मुताबिक, मेटा एआई अब यूजर्स को चैट वॉलपेपर जेनरेट करने की सुविधा देगा। इसके लिए यूजर्स को एक छोटा सा टेक्स्ट प्रॉम्प्ट देना होगा, जैसे कि समुंदर किनारे सूरज डूबता हुआ और एआई उस डिस्क्रिप्शन के आधार पर फोन के डाइमेंशन के अनुसार वॉलपेपर तैयार कर देगा। यूजर्स को एक साथ कई वॉलपेपर विकल्प मिलेंगे जिन्हें स्क्रॉल इंटरफेस के जरिए देखा जा सकेगा। अगर पहली बार में दिए गए वॉलपेपर पसंद नहीं आते, तो यूजर अपने प्रॉम्प्ट को बदलकर या उसमें कुछ नया जोड़कर दोबारा वॉलपेपर जनरेट कर सकते हैं। इतना ही नहीं, थीम, रंगों और एलिमेंट्स के साथ भी प्रयोग किया जा सकेगा ताकि वॉलपेपर पूरी तरह से यूजर की पसंद के अनुसार हो। फिलहाल यह फीचर विकास के चरण में है और बीटा यूजर्स के लिए ही उपलब्ध है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि टेस्टिंग पूरी होने के बाद कंपनी इसे सभी यूजर्स के लिए स्टेबल वर्जन में रोलआउट कर सकती है। वॉट्सऐप का यह फीचर उन यूजर्स के लिए खास होगा जो चैटिंग के दौरान पर्सनलाइज्ड टच चाहते हैं। मेटा एआई की मदद से वॉलपेपर अब न सिर्फ ज्यादा आकर्षक होंगे बल्कि हर चैट को अलग अंदाज में दिखाने का मौका भी देंगे। बता दें कि वॉट्सऐप इस साल लगातार नए-नए फीचर्स जोड़ रहा है और अब कंपनी एक और दिलचस्प फीचर की टेस्टिंग कर रही है, जो यूजर्स के चैटिंग अनुभव को पूरी तरह बदल सकता है।

ब्रिक्स के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भारत अपने पावर सेक्टर की उपलब्धियों को दिखाएगा

नई दिल्ली।

भारत ब्रिक्स के ऊर्जा मंत्रियों की आने वाली बैठक में अपने पावर और एनर्जी सेक्टर की उपलब्धियों को दिखाएगा। यह बैठक 19 मई को ब्राजील में होगी। ऊर्जा मंत्रालय ने शनिवार को यह बयान दिया। केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल इस उच्च स्तरीय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बैठक की थीम इमपावरिंग ग्लोबल साउथ कॉरपोरेशन फॉर इनक्लूसिव एवं सस्टेनेबल ग्लोबल गवर्नेंस है। मंत्रालय ने बताया, यह मंच ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच, सामर्थ्य और स्थिरता जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए ब्रिक्स देशों - ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के ऊर्जा मंत्रियों को एक साथ लाएगा। भारत पिछले दशक की अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए इस मंच का उपयोग करने की योजना बना रहा है। इन उपलब्धियों में बिजली उत्पादन क्षमता में 90 प्रतिशत की वृद्धि, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और बायोफ्यूल में प्रगति के साथ-साथ सस्टेनेबल एनर्जी प्रैक्टिस में इनोवेशन शामिल हैं। यह अंतरराष्ट्रीय बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब भारत ने न्यूक्लियर एनर्जी को लेकर महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। पिछले महीने विद्युत मंत्रालय की एक बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि सरकार 'विकसित भारत' दृष्टिकोण के तहत 2047 तक न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। भारत में वर्तमान में 8,880 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता वाले 25 न्यूक्लियर रिएक्टर संचालित हैं। 6,600 मेगावाट वाले आठ और रिएक्टर निर्माणाधीन हैं, और अतिरिक्त 10 रिएक्टर (7,000 मेगावाट) प्री-प्रोजेक्ट स्टेज में हैं। न्यूक्लियर एनर्जी पर जोर भारत के 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें न्यूक्लियर एनर्जी, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पीएम मोदी की सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

वडोदरा।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान पर भारतीय सेना की कार्रवाई बाद सोशल मीडिया पर भड़काऊ या विवादास्पद पोस्ट डालने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हाल ही में पादरा में जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता घनश्याम पटेल ने पीएम मोदी की एक आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की थी। इस मामले में घनश्याम पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस नेता घनश्याम पटेल ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग करके तैयार की गई एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आपत्तिजनक तरीके से चित्रित किया गया था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह वही है जो भारत के लोग वास्तव में देखना चाहते हैं। इस विवादास्पद और आपत्तिजनक पोस्ट लोगों में आक्रोश भड़क उठा और जल्द ही मामला पुलिस स्टेशन तक पहुंच गया। सोशल मीडिया के माध्यम से माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वाले घनश्याम पटेल के खिलाफ पादरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। आरोपी घनश्याम पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की गई। देश

के सर्वोच्च पद पर आसीन नेता की अभद्र तस्वीर पोस्ट करने वाले कांग्रेस नेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग हो रही है।

एसआईए की कश्मीर में छापेमार कार्रवाई जारी, मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं 6 आतंकी

श्रीनगर।

राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) कश्मीर ने शनिवार को आतंकी साजिश मामले में कई जगह छापे मारे। यह छापेमार कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब पिछले दिनों संयुक्त कार्रवाई में पुलिस और सेना ने 6 आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। छापे श्रीनगर, गंदेरबल, हंदवाड़ा में मारे गए। पहलगाम अटैक के बाद भारत के पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक और दोनों ओर से हवाई हमलों के बाद सीजफायर के बाद सेना काफी सजग है। आतंकियों के सहयोगियों और ओवरग्राउंड वर्करों पर पैनी नजर रखी जा रही है। शनिवार को आईजीपी कश्मीर ने बताया था कि दो अलग-अलग ऑपरेशन हुए। कश्मीर घाटी में बढ़ती आतंकी गतिविधियों के मद्देनजर यहां तैनात सभी सुरक्षाबलों ने अपनी रणनीतियों की समीक्षा की। इसके बाद ऑपरेशनों पर ध्यान दिया गया। पिछले 48 घंटों में दो सफल ऑपरेशन किए गए। ये दो ऑपरेशन केरन और त्राल इलाकों में किए गए, जिसके परिणामस्वरूप कुल 6 आतंकवादियों को मार गिराया। शोपियां में शाहिद को

ढेर किया गया जो सरपंच हत्या और रिसॉर्ट के ऊपर टूरिस्ट अटैक में शामिल था। उसका साथी अप्रवासी मजदूर को मारने में शामिल था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईए ने 11 मई को भी दक्षिण कश्मीर में 20 स्थानों पर छापे मारे थे। आतंकियों के सहयोगी निशाने पर थे। ये लोग कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित आकाओं के लिए काम कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक तकनीकी निगरानी से पता चला था कि क्षेत्र में कई स्लीपर सेल सीधे सीमापार आतंकी आकाओं के संपर्क में थे। ये स्लीपर सेल व्हाट्सएप, टेलीग्राम और अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर भारतीय सुरक्षा बलों और प्रमुख प्रतिष्ठानों से संबंधित संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी भेजते पाए गए।

दिल्ली सरकार ने 42 आईएएस और दानिक्स अधिकारियों के किए तबादले

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में बड़े पैमाने पर नौकरशाही में फेरबदल किया है, जिसमें 42 आईएएस और दानिक्स अधिकारियों के तबादले किए गए है या उन्हें अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। यह फेरबदल केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश के बाद किया गया, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश कैडर के 11 दिल्ली अधिकारियों को अन्य राज्यों में स्थानांतरित किया गया और इतनी ही संख्या में अधिकारियों को दिल्ली बुलाया गया है।

दिल्ली सरकार के सेवा विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी द्वारा जारी एक आदेश के मुताबिक 1992 बैच के आईएएस अधिकारी और अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग) बिपुल पाठक को पर्यावरण और

वन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। बिपुल पाठक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनिल कुमार सिंह की जगह लेंगे, जिन्हें गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर भेज दिया था। आईएएस अधिकारी प्रशांत गोयल को शहरी विकास विभाग में स्थानांतरित किया, जबकि सिंचाई एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव नवीन कुमार चौधरी को शहरी विकास विभाग में स्थानांतरित किया गया है। परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में मुख्य सचिव को परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया है। वरिष्ठ अधिकारी ए अनबासु को लोक निर्माण विभाग से सेवा विभाग में भेजा है, जबकि वह गृह विभाग के प्रधान सचिव बने रहेंगे।

अफगानिस्तान के लिए भारत ने रवाना किए 160 ट्रक, अटारी से दी विशेष एंट्री

नई दिल्ली।

भारत हमेशा ही बड़ा दिलवाला रहा है। दुनिया की मदद और उनके तकलीफों में हमेशा ही शामिल रहा है। हाल ही में अफगानिस्तान के लिए भारत दरियादिली दिखाते हुए अटारी-वाघा सीमा के रास्ते 160 अफगान ट्रकों को विशेष प्रवेश की अनुमति दी है। ये ट्रक सूखे मेवे और नट्स जैसे सामान लेकर भारत पहुंचे हैं। यह कदम भारत और तालिबान के बीच हाल ही में हुई पहली राजनीतिक बातचीत के बाद उठाया गया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बात की थी। यह भारत और तालिबान के बीच पहला औपचारिक राजनीतिक संपर्क था। मुत्ताकी ने ईरान और चीन की अपनी आगामी यात्रा से पहले जयशंकर को फोन किया था। यह कुछ ऐसा है जिसे भारत बहुत महत्व देता है। इस बातचीत के अगले ही दिन भारत ने अफगान ट्रकों को अटारी सीमा के रास्ते प्रवेश की अनुमति दी। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने शुरू में वाघा सीमा पर इन ट्रकों की मंजूरी में देरी की, लेकिन शुक्रवार को कुछ ट्रकों को अटारी में उतारने की अनुमति दी गई। भारत ने 2021 के बाद से अफगानिस्तान को 50,000 टन गेहूं, 350 टन दवाइयां, 40,000 लीटर मालाथियॉन (कीटनाशक) और 28 टन भूकंप राहत सामग्री भेजी है। इसके अलावा, भारत ने 2,000 अफगान छात्रों को ऑनलाइन स्कॉलरशिप प्रदान की है। सूत्रों ने बताया कि अफगान पक्ष ने इस सहायता की सराहना की है। बता दें कि पाकिस्तान ने अप्रैल में सीमा बंद होने के बाद 150 अफगान ट्रकों को भारत में प्रवेश की अनुमति दी थी, जो 25 अप्रैल से पहले पाकिस्तान में दाखिल हो चुके थे। इस बार भी पाकिस्तान ने अफगान दूतावास के अनुरोध पर कुछ ट्रकों को मंजूरी दी। हालांकि, भारत-पाकिस्तान व्यापार और लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध जारी है। वहीं, भारत दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, जहां दोनों देशों के बीच लगभग 1 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। अफगानिस्तान से भारत में मुख्य रूप से सूखे मेवे, सेब और अन्य सामान आते हैं। अटारी-वाघा सीमा भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार का सबसे सस्ता और तेज मार्ग है। सीमा बंद होने से पहले प्रतिदिन 40-45 अफगान ट्रक अटारी पहुंचते थे।

सुरक्षा और हिंदुत्व के रखवाले हैं पीएम मोदीः उपमुख्यमंत्री शिंदे

ठाणे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरीफ में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में एक कार्यक्रम के दौरान देश की सुरक्षा और हिंदुत्व को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदुत्व की विचारधारा को खुलकर आगे बढ़ाने वाले नेता हैं और उन्होंने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देकर यह साबित कर दिया है कि भारत अब किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटता है।एकनाथ शिंदे ने कहा, पीएम मोदी जो भी करते हैं, खुलेआम करते हैं, छिपकर नहीं। आज पाकिस्तान को करारा जवाब देने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान के एयरबेस तबाह कर दिए गए, आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया। आज दुनिया ने भारत की ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत देखी है। पूरा देश हमारी सेना और प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है। शिंदे ने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह इंडिया गठबंधन नहीं, इंडी गठबंधन है। यह पहले ही बिखर चुका है। जब यह गठबंधन भारतीय सेना पर सवाल उठाता है, तो यह देशहित में नहीं है। ऐसी राजनीति निंदनीय है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की जनता अब जागरूक है और वह जानती है कि देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए कौन खड़ा है। उन्होंने भारतीय सेना के साहस और सरकार की दृढ़ता की सराहना की और विपक्ष पर राष्ट्रविरोधी मानसिकता का आरोप लगाया।

संक्षिप्त समाचार

अब श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज में 20 जून को होगा री-एग्जाम

नई दिल्ली।

दिल्ली के नेताजी सुभाष प्लेस स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आग की घटना के चलते रद्द की गई परीक्षा की नई तारीख घोषित कर दी गई है। कॉलेज प्रशासन ने जानकारी दी है कि 15 मई 2025 को सुबह की पाली में होने वाली परीक्षा अब 20 जून 2025 को सुबह 9:00 बजे आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि 15 मई की सुबह कॉलेज परिसर में भीषण आग लग गई थी, जिसके चलते पूरे कॉलेज में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। हालात को देखते हुए छात्रों को तत्काल कॉलेज से बाहर निकाला गया और सुरक्षा कारणों के मद्देनज़र उस दिन की परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। अब कॉलेज प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों से कहा है कि वे 20 जून को सुबह 9:00 बजे निर्धारित परीक्षा केंद्र पर समय से उपस्थित हों। छात्रों से आग्रह किया गया है कि वे कॉलेज की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर नजर बनाए रखें ताकि भविष्य में किसी भी अपडेट की जानकारी समय रहते मिल सके।

286.6 लाख टन गेहूं की सरकारी खरीदी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर वर्ष 2025-26 में अभी तक समर्थन मूल्य पर 286.6 लाख टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। पिछले वर्ष गेहूं की खरीदी का आंकड़ा 265.9 लाख टन था। पिछले वर्ष की तुलना में सरकारी भंडार में ज्यादा खरीद कर ली गई है। इस वर्ष गेहूं उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर होने का अनुमान जताया गया है। सरकार को विश्वास है। इस साल देश में 11.53 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हुआ है। फूड कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने 16 मई तक पंजाब में सबसे ज्यादा 115.7 लाख टन गेहूं खरीदा है। इसके बाद मध्य प्रदेश का नंबर आता है। यहां पर 74 लाख टन, हरियाणा में 70.1 लाख टन और राजस्थान में 16.4 लाख टन गेहूं की खरीदी हुई है।

गल्फ देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के साथ तनाव के बाद जिस तरह के हालात देखने को मिले हैं। उसके बाद भारत ने अपनी रणनीति में बदलाव करना शुरू कर दिया है। भारत सरकार गल्फ देशों के साथ आर्थिक एवं कूटनीति के संबंध मजबूत बनाने के लिए, मुक्त व्यापार समझौते की पेशकश करने की योजना बनाई है। भारत सरकार कतर और गल्फ को- ऑपरेशन काउंसिल के सदस्य देशों के साथ ऐसे समझौते पर विचार विमर्श करना शुरू कर दिया है। इन सभी देशों ने भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच अपने आप को तटस्थ रखा था। भारत सरकार पाकिस्तान अमेरिका और चीन को काउंटर करने के लिए केंद्र सरकार अब गल्फ देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने की नीति पर आगे बढ़ रही है। खाड़ी देशों से भारत के साथ हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं। भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत लगभग फाइनल स्टेज पर है। कभी भी इसकी घोषणा हो सकती है। कतर के साथ भारत की बातचीत चल रही है। जल्द ही समझौता होने की उम्मीद जताई जा रही है। भारत का यूएई के साथ पहले ही व्यापार समझौता है। वर्तमान बदली हुई परिस्थितियों में सरकार ने अपनी व्यापार नीति में तेजी से बदलाव करना शुरू कर दिया है।

भारत और पाक के सेना प्रमुखों का वेतन आपको चौंका देगा

नई दिल्ली।

भारत के आर्मी चीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख की सैलरी अगर नंबर्स में देखें तो लगभग बराबर ही है। हालांकि दोनों की सैलरी में तीन गुना का अंतर है। भारत में सातवें वेतन आयोग के मुताबिक सेना प्रमुख को 2,50,000 रुपये सैलरी दी जाती है। इसके अलावा आर्मी चीफ को कई सुविधाएं मिलती हैं जिसमें गार्ड, बंगला, ड्राइवर, अलग से अलाउंस, मेडिकल आदि शामिल हैं। रिटायरमेंट के बाद उन्हें पेंशन की सुविधा मिलती है। पाकिस्तान आर्मी चीफ की सैलरी भी 2,50,000 पाकिस्तान रुपये है। हालांकि भारत के रुपये से तुलना करें तो यह 75 हजार रुपये के ही बराबर है। डॉलर से तुलना करें तो भारतीय सेना प्रमुख की सैलरी करीब 3 हजार डॉलर होती है। इसकी तुलना में पाकिस्तानी सेना प्रमुख की 900 डॉलर सैलरी तीन गुना कम है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख को सुविधाएं कम नहीं मिलतीं। उन्हें फ्री में इलाज, क्लब्स की मेंबरशिप, बंगला, ड्राइवर, गाड़ी जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना के पास डेयरी और ट्रांसपोर्ट के बिजनस भी हैं जिससे सेना प्रमुख अतिरिक्त कमाई करता है

पहला कॉलम

सेना पर मंत्रियों के विवादित बयान को लेकर इंदौर में कांग्रेस सड़कों पर

पीएम मोदी की आंखों में पट्टी बांधे पोस्टर के साथ विरोध प्रदर्शन

भोपाल।

मध्यप्रदेश की इंदौर शहर कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा द्वारा सेना पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में प्रधानमंत्री के पोस्टर के मुंह पर ताला लगाकर और आंखों पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। बता दें कि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था वहीं डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने सेना को लेकर एक बयान दिया था जिसे कांग्रेस ने सेना का अपमान बताया है। सेवादल कांग्रेस के शहर कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल और सूचना प्रकोष्ठ के गिरीश जोशी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों में सेना के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करने की होड़ लगी है, पहले मंत्री विजय शाह ने सोफिया कुरैशी के खिलाफ निंदनीय टिप्पणी की। उसके बाद प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने सेना को प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक होना बताया है। इतना सब होने के बाद भी पीएम मोदी चुप्पी बताती है कि प्रधानमंत्री आज के धृतराष्ट्र बन गए हैं। ना कुछ देख रहे हैं ना कुछ बोल रहे हैं। इसे लेकर शनिवार को इंदौर में कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी की आंखों पर पट्टी बांधी और मुंह पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पीएम मोदी की पार्टी के कौरव कितना भी गलत करें पीएम मोदी उन्हें कुछ नहीं बोलेंगे और ना ही उनके द्वारा किए जा रहे गलत कामों को देखेंगे।

अब हमारा पूरा फोकस अमरनाथ यात्रा पर, हम नहीं चाहते कि उसमें कोई व्यवधान हो

उमर अब्दुल्ला ने प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजने का स्वागत किया

श्रीनगर।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद से हमारी संस्कृति को बहुत नुकसान पहुंचा है। अब हमारी सरकार का पूरा ध्यान अमरनाथ यात्रा को सुगम बनाने पर है। मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि एलओसी पर स्थिति ठीक है। बॉर्डर और एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन की खबरें नहीं आ रही हैं, जो नुकसान हुआ है उसका मुआयना हो रहा है। रिपोर्ट आने के बाद नुकसान की भरपाई की जाएगी। इस दौरान राज्य के पर्यटन को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अब हमारा पूरा ध्यान अमरनाथ यात्रा को सुगम बनाने पर है। हम नहीं चाहते कि उसमें कोई व्यवधान हो। सात भारतीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने का मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि संसद के हमले के बाद भी डेलिगेशन भेजे गए थे। तब की तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में ऑपरेशन परिक्रमा रखा गया था, तभी संसद डेलिगेशन कई देशों में भेजे गए थे। यह पाकिस्तान की हरकतों को अन्य देशों में रखने का अच्छा मौका है। गौरतलब है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति का संदेश साझा करने के लिए मोदी सरकार सात भारतीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल विदेश भेज रही है। यह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट करने के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को अवगत कराएगा।

विश्व कल्याण के लिए शक्ति आवश्यक, भारत का कर्तव्य धर्म सिखाना : मोहन भागवत

जयपुर।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि दुनिया तभी आपकी बात सुनती है, जब आपके पास शक्ति हो। उन्होंने देश को विश्व का सबसे प्राचीन देश बताते हुए कहा कि भारत की भूमिका बड़े भाई की तरह है, जो विश्व में शांति और सौहार्द स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है। डॉ. भागवत जयपुर के हरमाडा स्थित रविनाथ आश्रम में संत रविनाथ महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने संत तुकाराम के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि हम बैकुंठ के वासी हैं और इस धरती पर इसलिए आए हैं ताकि संत-महात्माओं के उपदेशों को व्यवहार में लाकर दिखाएं। आज के समय में यह व्यवहार करना हमारी जिम्मेदारी है। समाज को समरस और शक्ति संपन्न जीवन जीने की आवश्यकता है, क्योंकि कमजोर कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि समाज शक्ति की पूजा करता है, इसलिए साधना के साथ शक्तिशाली जीवन जीना जरूरी है। कार्यक्रम में विनम्रता दिखाते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि वे न तो सम्मान के अधिकारी हैं और न ही भाषण देने के। उन्होंने कहा कि आरएसएस की 100 साल पुरानी परंपरा में लाखों कार्यकर्ताओं का परिश्रम शामिल है। अगर यह परंपरा सम्मान योग्य है, तो यह उन कार्यकर्ताओं का सम्मान है। संतों की आज्ञा के कारण ही वे यह सम्मान ग्रहण कर रहे हैं। इस दौरान भावनाथ महाराज ने डॉ. भागवत को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। डॉ. भागवत ने देश की त्याग की परंपरा का उल्लेख करते हुए भगवान राम से लेकर भामाशाह तक के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि विश्व को धर्म सिखाना भारत का कर्तव्य है, लेकिन इसके लिए भी शक्ति की आवश्यकता है। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत किसी से द्वेष नहीं रखता, लेकिन दुनिया प्रेम और मंगल की भाषा तभी समझती है, जब आपके पास शक्ति हो। यह दुनिया का स्वभाव है, जिसे बदला नहीं जा सकता। इसलिए, विश्व कल्याण के लिए भारत को शक्ति संपन्न होना होगा। विश्व ने भारत की ताकत को देखा है और यह ताकत विश्व कल्याण के लिए है। उन्होंने कहा कि विश्व कल्याण हमारा धर्म है। विशेषकर, हिंदू धर्म का तो यह पक्का कर्तव्य है। यह हमारी ऋषि परंपरा रही है, जिसका निर्वहन संत समाज कर रहा है। मोहन भागवत ने रविनाथ महाराज के साथ बिताए अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उनकी करुणा से हम लोग जीवन में अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं।

'प्रण है सिंदूर से, रण है सिंदूर तक, मनोज तिवारी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित किया गीत

नई दिल्ली।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने केंद्र सरकार की ओर से सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजने के फैसले को ऐतिहासिक और निर्णायक पहल बताया है। यह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों समेत प्रमुख साझेदार राष्ट्रों को भारत की आतंकवाद विरोधी नीति, सैन्य कार्रवाइयों और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देगा। मनोज तिवारी ने इसके साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के लिए एक गीत भी समर्पित किया। बतौर गायक और रचनाकार, मनोज तिवारी ने ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में एक गीत लिखा है जिसकी एक पंक्ति है, प्रण है सिंदूर से, रण है सिंदूर तक। भाजपा सांसद ने इस गीत को उन भारतीय बेटियों और माताओं को भी समर्पित किया, जिनके सुहाग को आतंकियों ने उजाड़ दिया था। उन्होंने कहा कि जब सेना अपना शौर्य दिखाए, तो हर कलाकार का कर्तव्य है कि वह देशभक्ति का गीत गाए और सेना का मनोबल बढ़ाए। अपने लिखे गीत की एक और पंक्ति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तुमने किया है शुरू तो सुन लो, मोदी करेगा खत्म कहानी। मनोज तिवारी ने इसे महज एक गाना नहीं, बल्कि देश की आवाज बताया। समाचार एजेंसी आईएएनएस से शनिवार को खास बातचीत करते हुए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर मनोज तिवारी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान और उसके आतंकवाद समर्थक रवैये को पूरी दुनिया के सामने उजागर किया जाए। मोदी सरकार का यह बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है कि पूरी दुनिया में पाकिस्तान सहित आतंकवाद के मददगारों के बारे में बताया जाए। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है और यह भी उसी ऑपरेशन का हिस्सा है कि हमारे देश के सभी राजनीतिक दलों से जुड़े प्रतिनिधि विभिन्न देशों में जाकर पाकिस्तान की करतूतों का खुलासा करें। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी और जापान जैसे देशों को बताया जाएगा कि पाकिस्तान आतंकवादी कैंपों को न सिर्फ आश्रय देता है बल्कि हमलों की योजना में भी शामिल होता है। पाकिस्तान स्थित नूर खान एयरबेस पर हमले को लेकर तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने खुद स्वीकार किया है कि नूर खान एयरबेस पर भारत ने हमला किया। यह बात उन्होंने रात दो बजे जनरल मुनीर के फोन के बाद मानी थी। पाकिस्तान की ओर से पहले इसे फर्जी खबर बताया जा रहा था, लेकिन वीडियो फुटेज और साक्ष्य सामने आने के बाद सच्चाई खुद-ब-खुद उजागर हो गई है। उन्होंने कहा कि अब शाहबाज शरीफ को बताना होगा कि वह अपने देश में मौजूद आतंकी ठिकानों के खिलाफ क्या कार्रवाई कर रहे हैं। देर से ही सही, पाकिस्तान को दुनिया को दिखाना होगा कि वह अब आतंकवाद को समर्थन देना बंद कर रहा है। मनोज तिवारी ने आगे कहा कि अब विपक्ष की भी परीक्षा होगी कि क्या वह सच में आतंकवाद के खिलाफ हैं या सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए सरकार का विरोध कर रहे हैं। जब ऑपरेशन शुरू हुआ, तो सभी दलों ने समर्थन किया, यहां तक कि ओवैसी और राहुल गांधी ने भी।

असमिया सिंगर गायत्री हजारिका भी कैंसर से हारी जंग, संगीत जगत में शोक

मुंबई।

कैंसर जिसका नाम लेते ही रुह कांप जाती है। इसने बीमारी ने अब तक कितने ही फिल्म स्टार्स की जान ली है। अब इस बीमारी से 44 साल की जानी-मानी सिंगर जंग हार गई। ये सिंगर असमिया सिंगर गायत्री हजारिका है। उन्होंने 16 मई को गुवाहाटी के अस्पताल में आखिरी सांस ली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोलन कैंसर से सिंगर जंग लड़ रही थी और उनका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। गायत्री हजारिका ने शुक्रवार दोपहर 2:15 पर अंतिम सांस ली। गायत्री हजारिका के निधन की खबर से संगीत जगत में मातम छा गया और हर कोई सिंगर के निधन पर शोक जता रहा है। अस्पताल के प्रबंध डायरेक्टर ने सिंगर की मौत की पुष्टि की। बताया जा रहा है कि उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें तीन दिन पहले भर्ती कराया गया था। जहां उन्होंने शुक्रवार को अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि फेमस असमिया सिंगर गायत्री हजारिका के पार्थिव शरीर को शाम 6 से 8 बजे तक श्रद्धांजलि के लिए रखा गया।

आचार संहिता का उल्लंघन के मामले में लालू यादव की संपत्ति जब्त करने के आदेश

सिवान।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव की परेशानी बढ़ गई है। सिवान की एक अदालत ने उनकी संपत्ति जब्त करने के आदेश दिए है। यह आदेश 2011 के एक मामले से जुड़ा है। लालू पर चुनाव के दौरान नियमों को तोड़ने का आरोप है। सीवन की अदालत ने यह फैसला उनकी लगातार गैरहाजिरी के कारण लिया है। 2011 में लालू पर आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप है। यह मामला सिवान के दारौंदा में एक सभा से जुड़ा है। उस समय धारा 144 लागू थी। इसका मतलब है कि वहां सभा करने और माइक का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं थी। लेकिन लालू यादव ने फिर भी सभा को संबोधित किया। अदालत ने मामले में लालू यादव को कई बार नोटिस भेजा, लेकिन वे एक बार भी पेश नहीं हुए। उनकी लगातार अनुपस्थिति को देखकर सिवान की एसीजेएम प्रथम अदालत ने कुर्की जब्ती की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि अदालत उनकी संपत्ति को जब्त कर सकती है। कोर्ट ने कहा, इसी मामले में उनकी लगातार अनुपस्थिति को देखकर एसीजेएम प्रथम सिवान की अदालत ने कुर्की जब्ती की प्रक्रिया जारी करने का आज आदेश पारित किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 30 मई को होगी।

अफवाह फैलाने वालों पर भड़के मुकेश खन्ना, कहा- 'भारत की छवि खराब होती है'

मुंबई।

टीवी शो शक्तिमान फेम मुकेश खन्ना ने हाल ही में मीडिया और सोशल मीडिया के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग गलत खबर फैला रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान से युद्ध रोकने की अपील की है। उनका कहना है कि यह बात झूठी है और इससे भारत की छवि खराब हो रही है। मुकेश खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, कुछ चैनल और यूट्यूब वाले अफवाह फैला रहे हैं कि पाकिस्तान ने भारत पर इतना जोरदार हमला किया कि भारत घुटनों पर आ गया और युद्ध रोकने की अपील करने लगा। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी इस पर यकीन नहीं कर सकता है। अपने पोस्ट में एक्टर ने आगे लिखा, कितनी बेवकूफी की बात है! कोई कैसे मान सकता है कि पाकिस्तान जैसे देश के पास इतनी ताकत है कि वो भारत को घुटनों पर ला दे और भारत उससे युद्ध रोकने की अपील करे। असल में तो सच इसके बिल्कुल उल्टा है। ये बात तो सभी देख सकते हैं, इसे साबित करने के लिए किसी सबूत की जरूरत नहीं है। उन्होंने भारतीय सेना पर भरोसा जताते हुए कहा, आजकल के सोशल मीडिया में कोई भी कुछ भी पोस्ट कर देता है, और उसे जांचने-परखने वाला कोई नहीं होता। ताकत और पैसों के मामले में भारत पाकिस्तान से कई गुना आगे और मजबूत है। बस

बात खत्म। पोस्ट के आखिर में मुकेश खन्ना ने कहा, पाकिस्तान और पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) का कोई भविष्य नहीं है। मेरी बात याद रखना। इससे पहले भी उन्होंने पाकिस्तान का समर्थन करने पर चीन की आलोचना की थी। मुकेश खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक फोटो पोस्ट की। इस फोटो के साथ उन्होंने लिखा कि चीन का पाकिस्तान को समर्थन देना खुली दोहरी नीति है। उन्होंने लिखा, क्या मजाक है! चीन दावा करता है कि वह पाकिस्तान का समर्थन करेगा, जो खुद पूरे दक्षिण एशिया में अशांति फैलाता है, वो बोल रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ मिलकर शांति और स्थिरता बनाएगा। इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है?

बमबारी में हुए नुकसान का आकलन कर रहे, इसके आधार मुआवजा पैकेज तैयार होगा: उमर अब्दुल्ला

जम्मू।

भारत-पाक युद्ध में जम्मू-कश्मीर में हुए नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का बयान सामने आया है। बमबारी में लोगों के हुए नुकसान के बारे में मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि फिलहाल एलओसी पर सीजफायर के उल्लंघन की कोई जानकारी नहीं है, शांति बरकरार है। उन्होंने कहा कि बमबारी में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है, इसके आधार पर ही मुआवजा पैकेज तैयार होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने तौर पर नुकसान की भरपाई करने की कोशिश करेगी, अगर जरूरत होने पर केंद्र से भी सहायता मांगी जाएगी। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इससे पहले जब संसद पर हमला हुआ था, तब ऑपरेशन परिक्रमा के दौरान, संसद के प्रतिनिधिमंडल को कई देशों में भेजा गया था। उन्होंने कहा कि आज भी भारत के प्रमुख नेताओं को दूसरे देशों के सामने भारत का पक्ष रखने का अच्छा मौका है।

दिल्ली के 15 पार्षदों ने छोड़ा आम आदमी पार्टी का साथ, नई पार्टी बनाई

नई दिल्ली।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के बाद काफी मुश्किलों से गुजर रही है।

अब दिल्ली के मौजूदा 15 पार्षदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और एक नई पार्टी का ऐलान कर दिया है।

दिल्ली के आम आदमी पार्टी के मौजूदा पार्षदों ने इस बात की जानकारी दी कि नई पार्टी का गठन किया गया है।

इस पार्टी का नाम इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी रखा गया है इसके अध्यक्ष मुकेश गोयल को बनाया है। बता दें कि मुकेश गोयल पहले कांग्रेस में भी रह चुके हैं बाद में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे।

आम आदमी पार्टी के नेता हेमचंद गोयल के नेतृत्व में ये थर्ड फ्रंट बनाया गया है।

इस्तीफा देने वोले पार्षदों में हेमचंद गोयल, हिमानी जैन, रूनाक्षी शर्मा, ऊषा शर्मा, अशोक पांडेय, राखी यादव, साहिब कुमार, राजेश कुमार, मनीषा किराना, सुमन अनिल राणा, दिनेश भारद्वाज, मुकेश कुमार गोयल, देवेंद्र कुमार शामिल हैं। बता दें कि दिल्ली में पहले सत्ता गंवाने के बाद आम आदमी पार्टी में लगातार फूट पड़ती जा रही है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेताओं को हार का सामना करना पड़ा था। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसे नेता भी हार गए थे।

तब पार्टी नेताओं में निराशा का भाव था, उसके बाद से ही आम आदमी पार्टी में लगातार फूट देखी जा रही है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच फिर शुरू हुआ व्यापार

अटारी।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार पूरी तरह ठप हो गया था, लेकिन शुक्रवार से अटारी-वाघा सीमा के रास्ते व्यापारिक गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं।

अटारी-वाघा सीमा के रास्ते व्यापारिक गतिविधियां शुरू होने से उन व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है, जिनके लिए यह मार्ग सूखे मेवों और जड़ी-बूटियों के आयात का प्रमुख जरिया है।

दरअसल, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के कारण अटारी-वाघा सीमा को बंद कर दिया गया था। इस दौरान पाकिस्तान की तरफ वाघा सरहद पर लगभग 50 ट्रक फंस गए थे, जो अफगानिस्तान से सूखे मेवे और जड़ी-बूटियां लेकर भारत की ओर आ रहे थे। इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट (आईसीपी) अटारी और कस्टम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को आने वाले ट्रक वही थे जो तनाव के कारण पाकिस्तानी सीमा में रुके हुए थे। शुक्रवार को इनमें से छह ट्रकों को अटारी चेकपोस्ट के रास्ते भारत में प्रवेश की अनुमति दी गई।

वहीं, शनिवार को भी 10 से ज्यादा भारतीय ट्रक इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट अटारी में दाखिल हुए, जो लोड होकर फिर से देश के अलग-अलग राज्यों में रवाना होंगे। भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापारिक रिश्ते शुरू होने से व्यापारियों में खुशी है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार का यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। अटारी-वाघा सीमा भारत और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच एकमात्र स्वीकृत व्यापारिक भूमि मार्ग है। भारत अफगानिस्तान से मुख्य रूप से सूखे मेवे और जड़ी-बूटियां आयात करता है, जो अधिकतर कंधार और काबुल से आते हैं। इस

मार्ग के बंद होने से न केवल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि बाजार में इन सामानों की उपलब्धता पर भी असर पड़ा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717